दैनिक भास्कर
भोपाल 08-03-2026

देश-विदेश

भास्कर खास

मां अद्भुत है... एक ने बेसहारा में बेटा तलाशा, दूसरी ने बेटी का 'त्याग' बेटों में बांटा

अमेरिकाः डॉक्टर की ममता ने दे दी मौत को मात

वॉशिंगटन | 'चाइल्ड हार्ट एनेस्थिसियोलॉजिस्ट के रूप में, मैंने हजारों बच्चों को ऑपरेशन थिएटर जाते देखा है, पर उस दिन मेरी रूह कांप उठी थी। 2022 की जनवरी को उस सुबह प्री-ऑपरेशन रूम में बड़े बिस्तर पर चार साल का बच्चा 'टू' लेटा था। चादर ठुड्डी तक खिंची हुई थी। वह बेहद कमजोर दिख रहा था।


टू के साथ डॉ. एमी

आमतौर पर बच्चों के साथ उनके माता-पिता होते हैं... हाथ थामे, उन्हें प्यार करते या ढांढस बंधाते हुए। पर टू बिल्कुल अकेला था। उसकी बड़ी-बड़ी आंखें ऐसे देख रही थीं मानो कमरे में किसी अपने को खोज रही हों। उस मासूम चेहरे पर डर और गहरा सन्नाटा था। फाइल देखी तो पता चला कि वह 'कंजेनिटल हार्ट डिजीज' से जूझ रहा था। यानी दिल का बायां हिस्सा विकसित नहीं था। वह फोस्टर केयर (घरेलू हिंसा के चलते परिवार से अलग) में रह रहा था। उसकी केयर टेकर बीमार थी, इसलिए उसे अकेले ही अस्पताल लाया गया था। केयर टेकर से चर्चा की तो उसने मजाक में पूछ लिया... 'कहीं आप उसे गोद तो लेना नहीं चाह रहीं।' इसके बाद टू के लिए मेरे मन में संवेदनाएं जाग चुकी थीं। वह था ही इतना प्यारा, किसी का भी मन मोह ले।

सर्जरी से पहले, जब उसे एनेस्थीसिया दे रही थी, तो उसने आंखें बंद कर लीं। फिर, अचानक आंखें खोल दीं और चिल्लाया... ब्रूम। वह मेरे साथ मजाक कर रहा था। मेरा दिल पिघल गया। मैंने तय किया कि इस बच्चे को 'परिवार' देकर रहूंगी। हमने उसे गोद ले लिया, पर कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। टू अक्सर मुश्किल हालात में रह रहे पांच भाई-बहनों का जिक्र करता था। इसलिए हमारा परिवार हर 1-2 हफ्ते में बाकी भाई-बहनों को टू के साथ वक्त बिताने के लिए बुलाता। हमने तय किया कि परिवार टूटने नहीं देंगे। बहन, भाई और सहकर्मी की मदद ली। सभी छह भाई-बहनों को हमारे रिश्तेदारों व दोस्तों के घरों में जगह मिली। अगस्त 2023 में सबका एक साथ 'ग्रैंड एडॉप्शन' हुआ।

आज टू 9 साल का हो चुका है। डॉक्टर कहते हैं कि अगर उसे हमारा घर और प्यार नहीं मिलता, तो शायद वह दुनिया में नहीं होता। टू को हंसते देखकर महसूस होता है... अकेले बच्चे 'कली' जैसे होते हैं, जिन्हें प्यार की धूप मिले, तो वे दुनिया महका सकते हैं।'

डॉ. एमी बीथे (नेब्रास्का चिल्ड्रेन हॉस्पिटल)

ऑस्ट्रेलियाः डॉक्टर मां ने लिखी बराबरी की नई 'इबारत'

मेलबर्न | सुबह के 5 बजे हैं। मेरी बेटी ड्राइविंग सीट पर बैठी है और मैं बगल वाली सीट पर डैशबोर्ड कसकर पकड़े हूं। जब उसने पूछा, 'क्या मैं ड्राइव करूं?' तो मैंने झिझकते हुए 'हां' कहा।



एक मां और डॉक्टर होने के नाते, यह पल सिर्फ ड्राइविंग सिखाने का नहीं, बल्कि उसे जीवन की यात्रा के लिए तैयार करने का भी है।

गंतव्य पर वह मुस्कुराते हुए बोली, 'मां, आप मेरे लिए जो पल निकालती हैं, मैं उसकी कद्र करती हूं।' मैंने मजाक में कहा, 'कभी तुम यह उधार चुकाओगी।' वह हंस दी, पर जानती है कि मेरे साथ ऐसी कहानियां रोज घर आती हैं। मेरा क्लिनिक मानवीय स्थितियों का आईना है। यहां बुजुर्ग गंभीर बीमारियों और अकेलेपन से जूझते हैं। मैं देखती हूं कि उनके साथ अस्पताल कौन आता है? जवाब लगभग एक ही होता है- महिला। कभी वह बेटी होती है, कभी बहू, तो कभी पोती। जब मैं किसी बेटे से दवाओं या इलाज के बारे में पूछती हूं, तो जवाब मिलता है, 'मुझे नहीं पता, बहन से पूछिए।' इसके विपरीत, बेटी हर जानकारी देती है। टेलीहेल्थ में वीडियो लिंक कनेक्ट करना व नोट्स बनाने जैसे काम भी महिलाएं ही करती हैं।

एक डॉक्टर के रूप में, मैं महिलाओं पर पड़ने वाले इस बोझ के शारीरिक, भावनात्मक और आर्थिक असर को करीब से देखती हूं। महिलाएं खुद को दो पाटों के बीच फंसा पाती हैं-एक तरफ बुजुर्ग माता-पिता, दूसरी तरफ बच्चे। इस 'दोहरी सेवा' के चक्कर में वे कम काम कर पाती हैं और खुद की सेहत गंवा देती हैं। आज बेटी 18 साल की हो रही है। इस मौके पर मैं उसे ऐसा तोहफा देना चाहती हूं, जो ताउम्र काम आए। वह बिना उम्मीद सबकी मदद करती है। पर एक मां होने के नाते, मैं चाहती हूं कि वह खुद को पूरी तरह न झोंके। जन्मदिन की तैयारी से लेकर इमरजेंसी तक, सारा बोझ उसी पर न हो। इसलिए यह जिम्मेदारी उसके भाइयों के साथ बराबर बंटेगी। मैं बेटों से भी उतने ही काम कराती हूं, जितने बेटी से। उन्हें सिखा रही हूं कि देखभाल सिर्फ 'औरतों का काम' नहीं है।

बेटी को लाइसेंस मिलेगा तो मैं उसकी बगल वाली सीट पर बैठूंगी, मुझे लगता है कि वह मुझे इसलिए लेकर जाए क्योंकि उसके पास समय है, न कि इसलिए कि वह लड़की है। मेरे बेटे भी दवाओं व अपॉइंटमेंट की उतनी ही जानकारी रखें जितनी उनकी बहन। सेवा पुण्य है, पर यह जिम्मेदारी बेटियों पर नहीं, बेटों पर भी बराबर होनी चाहिए।'

-डॉ. रंजना श्रीवास्तव (ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में ऑन्कोलॉजिस्ट)

राष्ट्रपति के सम्मान पर संग्राम

सीएम ने रिसीव नहीं किया, प्रोग्राम की जगह बदलीः मुर्मु

भास्कर न्यूज | सिलीगुड़ी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को उत्तर बंगाल में संथाल और अन्य आदिवासी समुदायों के विकास की रफ्तार पर चिंता जताई।



उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में कहा, 'मुझे नहीं लगता इस इलाके के संथाल व अन्य आदिवासी पूरी तरह आगे बढ़ पाए हैं। विकास का लाभ आप तक वैसा नहीं पहुंचा, जैसा पहुंचना था।'

राष्ट्रपति ने सीएम ममता बनर्जी का जिक्र करते हुए कहा, वे मेरी छोटी बहन जैसी हैं, लेकिन शायद नाराज हैं। उत्तर बंगाल के कार्यक्रम में न तो सीएम और न कोई मंत्री रिसीव करने आया। आमतौर पर राज्य सरकार के प्रतिनिधि रहते हैं। राष्ट्रपति ने कहा, पहले कार्यक्रम सिलीगुड़ी के पास बिधाननगर में होना था, जहां बड़ी संख्या में लोग आ सकते थे, बाद में जगह बदलकर गोसाईंपुर कर दिया, जहां पहुंचना मुश्किल था। उन्होंने कहा, सम्मेलन में आते समय ऐसा लगा कि कुछ लोग बैठक के पक्ष में नहीं थे। कुछ संथाल कार्यक्रम स्थल के बाहर घूमते दिखे, जैसे उन्हें अंदर आने नहीं दिया जा रहा हो। राष्ट्रपति ने कार्यक्रम में तिलका मांझी, सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो का जिक्र करते हुए कहा, इन विभूतियों ने शोषण के खिलाफ संघर्ष किया, लेकिन इतिहास में उनके योगदान को पर्याप्त स्थान नहीं मिला।

सर्वोच्च संवैधानिक पद का सम्मान होः उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा, 'राष्ट्रपति को हमेशा वह गरिमा, प्रोटोकॉल और सम्मान मिलना चाहिए जिसके वे हकदार हैं। बंगाल में उनकी संवैधानिक स्थिति के अनुरूप व्यवस्थाओं में कोई कमी हुई हो तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। राष्ट्रपति पद की पवित्रता हमेशा बनाए रखी जानी चाहिए।'

मणिपुर में आदिवासियों पर जुल्म, तब चुप क्योंः ममता

भास्कर न्यूज | कोलकाता

राष्ट्रपति के बयान के कुछ घंटे बाद एसआईआर के खिलाफ कोलकाता में धरने पर बैठीं सीएम ममता ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा,



'दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा की सलाह पर राष्ट्रपति से कहलवाया जा रहा है कि आदिवासियों के लिए काम नहीं हुआ।' ममता ने कहा, 'जब मणिपुर में आदिवासियों पर अत्याचार हो रहे थे तब राष्ट्रपति चुप क्यों थीं? क्या आपको पता है- एसआईआर में कितने आदिवासियों के नाम काट दिए गए? मैं राष्ट्रपति का सम्मान करती हूं, पर भाजपा के लिए राजनीति मत कीजिए।' ममता ने कहा, सिलीगुड़ी का सम्मेलन निजी कार्यक्रम था। राष्ट्रपति के स्वागत के लिए भेजी सूची में सीएम का नाम नहीं था, इसलिए प्रोटोकॉल उल्लंघन कहां हुआ। ममता ने कहा, अगर चुनाव के समय राष्ट्रपति आती हैं तो मैं हमेशा वहां नहीं रह सकती।

बंगाल की जनता बनाम पूरा सत्ता तंत्रः टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा, 'एक तरफ बंगाल की जनता और दूसरी तरफ भाजपा के साथ निर्वाचन आयोग, ईडी, आयकर विभाग, सीबीआई, एनआईए, केंद्रीय बल, राज्यपाल, 20 केंद्रीय मंत्री, 10 सीएम, पीएम और राष्ट्रपति खड़े हैं। जब पूरा तंत्र खिलाफ हो, तब बंगाल और मजबूत होकर सामने आता है। मुकाबला कर लीजिए।'

राष्ट्रपति भवन को भेजा था पत्रः दार्जिलिंग के डीएम ने 4 मार्च को राज्य सरकार को पत्र लिखकर कार्यक्रम की तैयारियों पर चिंता जताई थी। पत्र में कहा गया था, आयोजक राष्ट्रपति के स्तर के कार्यक्रम के अनुरूप तैयारी करते नहीं दिख रहे हैं। आयोजन पर विचार किया जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल सरकार के जरिए यह रिपोर्ट राष्ट्रपति सचिवालय को भेजी गई थी। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने ये पत्र सोशल मीडिया पर साझा किए हैं।

राष्ट्रपति का अपमान दुर्भाग्यपूर्ण, टीएमसी सरकार ने हदें पार कीं: मोदी



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, बंगाल में जो हुआ वह शर्मनाक और अभूतपूर्व है। आदिवासी समुदाय से आने वालीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की पीड़ा से पूरा देश दुखी है। टीएमसी सरकार ने सभी हदें पार कर दीं। राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर है, उसकी गरिमा का सम्मान होना चाहिए।



बादशाह के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करने की तैयारी

चंडीगढ़ | रैपर-म्यूजिशियन बादशाह के हरियाणवी म्यूजिक वीडियो टटीरी में आपत्तिजनक लिरिक्स और वीडियो के मामले में पुलिस ने लुकआउट सर्कुलर जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस बीच, बादशाह ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर माफी मांगी है। इसमें सिंगर ने कहा, 'मैं हरियाणा से हूं। मेरा कभी भी हरियाणा की किसी भी महिला या बच्चे के खिलाफ कुछ भी आपत्तिजनक कहने का इरादा नहीं था। मैं हिप-हॉप जॉनर से हूं, जहां लिरिक्स में अक्सर कॉम्पिटिटर्स को नीचा दिखाया जाता है। ये कभी किसी महिला या बच्चे के लिए नहीं होते, अब मैं ऐसा करूंगा।' हरियाणा पुलिस ने शनिवार को कहा कि आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया उर्फ बादशाह गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए कई पुलिस टीमें बनाई गई हैं और छापेमारी कर रही हैं। आरोपी के देश छोड़ने की कोशिश करने की संभावना को देखते हुए उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बादशाह को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से वीडियो हटाने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं।

पेज 1 का शेष

बैरागढ़ में 108%, करोंद में...

दर बढ़ाने के पीछे बताए गए कारण

- एक ही वार्ड में आसपास की कॉलोनियों के रेट में अधिक अंतर होना।
- पंजीयन अधिकारियों के सर्वे के आधार पर दर तय करना।
- नए विकास कार्यों के आधार पर बदलाव (चेंज डिटेक्शन)।
- वर्ष 2025-26 में अधिक मूल्य के दस्तावेजों के पंजीयन से मिले डेटा का विश्लेषण।
- टी एंड सीपी से स्वीकृत कॉलोनियों को शामिल करना।
- नए राष्ट्रीय राजमार्ग, बायपास और रिंग रोड की घोषणा।
- नए औद्योगिक क्षेत्र और विशेष आर्थिक क्षेत्र की स्थापना।
- नई सिंचाई परियोजनाओं की घोषणा।

From the pages of TIME

संडे प्रोफाइल : मार्जोरी ग्रीन



अमेरिका की पूर्व सीनेटर मार्जोरी टेलर ग्रीन इन दिनों अमेरिका-ईरान वॉर को लेकर ट्रम्प के खिलाफ बेबाकी से बोल रही हैं। वे कहती हैं कि ट्रम्प का मौजूदा रुख रिपब्लिकन पार्टी को मिड टर्म चुनावों में नुकसान पहुंचा सकता है।

ईरान युद्ध पर ट्रम्प की आलोचक हैं ग्रीन

चैंटेल ली

कभी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बड़ी समर्थक मानी जाने वालीं मार्जोरी टेलर ग्रीन अब उन्हीं की पार्टी की बड़ी आलोचक बन गई हैं।

ग्रीन का कहना है कि ट्रम्प ने कहा था कि अब और विदेशी युद्ध नहीं होंगे, लेकिन अब विदेश नीति और ईरान युद्ध जैसे मुद्दों पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। ग्रीन का मानना है कि इससे रिपब्लिकन पार्टी को इसी साल नवंबर में होने वाले मिड-टर्म चुनावों में नुकसान हो सकता है। ट्रम्प और ग्रीन के बीच विवाद उस समय और बढ़ गया, जब दिवंगत यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों को सार्वजनिक करने की मांग उठी। ट्रम्प ने शुरुआत में इसे डेमोक्रेट्स की साजिश बताया था, जबकि ग्रीन ने इन फाइलों को पूरी तरह सार्वजनिक करने का समर्थन किया। इसके बाद ट्रम्प ने ग्रीन से दूरी बना ली और उन्हें देशद्रोही तक कह दिया।

ग्रीन ने ट्रम्प की विदेश नीति की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिका फर्स्ट नेता होने के नाते उन्हें पहले देश के अंदर की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए था। टेलर ग्रीन का जन्म 1974 को अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में हुआ। उन्होंने 2020 में जॉर्जिया से चुनाव जीतकर पहली बार अमेरिकी कांग्रेस में प्रवेश किया। अपने बयानों से वे जल्द ही रिपब्लिकन राजनीति में चर्चित नेता बन गईं। शुरुआत में वे ट्रम्प की मजबूत समर्थक थीं और अमेरिका फर्स्ट विचारधारा तथा मेक अमेरिका ग्रेट अगेन आंदोलन का समर्थन करती थीं, लेकिन बाद में कई मुद्दों पर दोनों के बीच मतभेद बढ़ गए।

जैकेट इनसाइड के शेष

अवसर, स्किल...

डिजिटल इंडिया की क्रांति ने महिलाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं। आज लाखों महिलाएं ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने उत्पाद बेच रही हैं, डिजिटल भुगतान प्रणालियों का उपयोग कर रही हैं और स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के जरिए खुद को अपग्रेड कर रही हैं। सशक्तीकरण का अर्थ केवल नौकरी देना नहीं है। इसका मतलब है समान अवसरों की संरचना तैयार करना। महिला लीडरशिप का अर्थ केवल कॉरपोरेट बोर्डरूम तक सीमित नहीं है। यह गांवों की पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों, स्टार्टअप्स, स्कूलों, अस्पतालों और टेक्नोलॉजी लैब्स तक फैला हुआ है। यदि भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर और उससे आगे की अर्थव्यवस्था बनना है तो उसे अपनी आधी आबादी की क्षमता को पूर्ण रूप से शामिल करना होगा। भविष्य की प्रतिस्पर्धा केवल पूंजी या तकनीक से नहीं जीती जाएगी। वह डाइवर्सिटी, इन्क्लूजन और इनोवेशन से जीती जाएगी।

भारत आज इतिहास के एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। 2047 में हम अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेंगे। विकसित भारत केवल आर्थिक सूचकांकों से नहीं आंका जाएगा उसे सामाजिक संतुलन, लैंगिक समानता और अवसरों की समान उपलब्धता से भी मापा जाएगा। अगर हमारी आधी आबादी लीडरशिप और इनोवेशन में पीछे रह जाएगी तो विकास का ढांचा भी असंतुलित रहेगा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस केवल शुभकामनाओं का अवसर नहीं होना चाहिए। यह आत्ममंथन का दिन होना चाहिए। हमें खुद से पूछना चाहिए कि क्या हम उन्हें डिजिटल अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। क्या हम लीडरशिप रोल में उन्हें देखने के लिए तैयार हैं? 2047 का भारत केवल नीतियों से नहीं बनेगा, वह हमारी सोच से बनेगा। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब हर महिला को सम्मान, अवसर और नेतृत्व का मंच मिलेगा। यही हमारी आर्थिक प्रगति की असली ऊर्जा है और यही एक खुशहाल, समावेशी और आत्मनिर्भर भारत की सबसे मजबूत बुनियाद है।

सम्मानित होना, साहस...

यही वे महिलाएं हैं जो मुझे प्रेरित करती हैं, जिन्होंने शांत किंतु शक्तिशाली ढंग से दृढ़ता दिखाई है। वे महिलाएं जिन्होंने बिना किसी मान्यता के, अडिग साहस के साथ परिवारों, करियर और समुदायों को आगे बढ़ाया है।

लेकिन उन्हें हमारे स्पष्ट और असंदिग्ध समर्थन की आवश्यकता है- हममें से हरेक से। अपने परिवारों और कम्युनिटीज से, जिन्हें लड़कियों को जिज्ञासु, विचारशील और आत्मविश्वासी बनने का साहस देना चाहिए। पुरुषों से, जिन्हें घर और ऑफिस में उनका सहयोगी बनना चाहिए। सशक्तीकरण वास्तविक सहयोग से ही सम्भव है। यह एक ऐसे भविष्य की परिकल्पना है, जहां प्रत्येक आवाज का महत्व हो। 'वॉट आई वांट' नामक पिक्चर-बुक में गोंड कलाकार जापानी श्याम कहती हैं, मैं चाहती हूं कि मुझे सुना जाए, मैं अपने को अभिव्यक्त कर सकूं और समझी जाऊं। यह वो भावना है, जिससे सभी महिलाएं जुड़ाव महसूस कर सकती हैं। उनकी कला में एक लड़की को वृक्ष से संवाद करते हुए दिखाया गया है- उसकी जड़ें मानो सुनने को तत्पर कान हैं, जबकि उसकी घनी शाखें अधिक अभिव्यक्तियों को आश्रय देती हैं।

अपनी आवाज खोज रही युवा महिलाओं से मैं कहना चाहती हूं : अनुमति की प्रतीक्षा मत करो। बोलो, भले ही तुम्हारी आवाज कांप रही हो। सीखना कभी मत छोड़ो। एजुकेशन सबकुछ बदल देती है। एक शिक्षित महिला निडर होती है। निडर होना हमेशा आसान नहीं होता। किंतु उन्हीं मुश्किल लम्हों ने मुझे आज की व्यक्ति के रूप में गढ़ा है।

वास्तव में, हर दिन महिला दिवस है। जब 8 मार्च आता है, तो वह केवल हमें यह याद दिलाता है कि हां, हमने जो प्रगति की है उसका सम्मान करें, किंतु वो हमें यह भी बताता है कि अभी बहुत काम शेष है। यह निरंतर आगे बढ़ने, अपनी आवाज उठाने और सबसे बढ़कर, सपने देखने का रिमाइंडर है। हमारा समय आ गया है।

जैकेट का शेष

हमारा भाग्य हम तय करेंगे, एपस्टीन...

- **कट्टरपंथी गोलबंदी...** पजेशकियान के बयान के बाद कट्टरपंथी गोलबंदी तेज हो गई है। कोम शहर के चीफ काजी मोहम्मद रहीसी समेत असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के सदस्य हुसैन नूरी और नासेर शिराजी ने नया लीडर घोषित करने की मांग की है। उनका कहना है कि अंतरिम लीडरशिप किसी काम की नहीं है।

दुबई एयरपोर्ट पर ड्रोन से अटैक, ईरान पर 100 जेट्स की बमबारी : - ईरान ने शनिवार को फिर से दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुसाइड ड्रोन से हमले किए। आंशिक रूप से उड़ानें ठप रहीं। - अबू धाबी के पास अल धफरा एयर बेस पर ड्रोन स्वार्म अटैक किया, यह अमेरिकी एयर कॉम्बैट सेंटर है। लगभग 50 ड्रोन शामिल थे। - ईरान ने पूर्वी येरूशलम और तेल अवीव पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे। एयर रेड सायरन बजे। कुछ इमारतों को नुकसान पहुंचा। - इजराइल ने लेबनान में ईरान समर्थक हिजबुल्ला के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक को अंजाम दिया। इसमें 40 लड़ाके मारे गए हैं। - 100 से ज्यादा अमेरिकी और इजराइली फाइटर जेट्स ने तेहरान और आसपास के शहरों पर भारी बमबारी की। कई लोग घायल। - ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने फारस की खाड़ी में एक ऑयल टैंकर को उड़ाया। इस टैंकर पर मार्शल आइलैंड का झंडा था।

इंडियन बैंक Indian Bank इलाहाबाद ALLAHABAD

मण्डलीय कार्यालय : ऑफिस काम्पलेक्स, गौतम नगर, भोपाल
फोन : 0755-2784821, 2600714, 2583669, 2602347

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के नियम 3(1) के अन्तर्गत मांग सूचना (सरफेसी एक्ट)

इंडियन बैंक, संबंधित शाखा के माध्यम से प्राप्त किये गये ऋण जो कि एन.पी.ए. हो चुका है व जिसमें निम्न वर्णित दिनांक को निम्न वर्णित बकाया राशि शेष थी, उसकी विस्तृत मांग सूचना निम्नवर्णित ऋणियों एवं जमानतदारों को वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) दिनांक को पंजीकृत डाक एवं स्पीड पोस्ट पावती सहित आपको भेजी गई थी, मांग सूचना में हमने आशय को स्पष्ट कर दिया था, कि आपके द्वारा सूचना में दर्शाई राशि 60 दिनों के अन्दर जमा नहीं कराई गई तो उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अनुसार बैंक में बंधक संपत्ति जो कि निम्नलिखित ऋणियों/जमानतदारों के नाम है, उसका आधिपत्य ले लिया जायेगा। बकाया राशि का उल्लेख निम्नानुसार है:-

उधारकर्ता एवं जमानतदार का नाम	प्रतिभूति के रूप में बंधक की गई संपत्ति का विवरण	बकाया राशि / मांग सूचना दिनांक
इंडियन बैंक, कोतवाली रोड शाखा, भोपाल		
1. मेसर्स लीला इंटरप्राइजेज (ऋणी) (प्रो. श्री पवन टिक्कू) पता- स्टेशन रोड, सहयोग टेंट हाउस के सामने, मंडीदीप जिला रायसेन म.प्र. **2. श्री पवन टिक्कू पुत्र श्री काशी नाथ टिक्कू** (प्रोपराइटर/ऋणी) पताः मकान नं. 50, सहारा एस्टेट 11 मिल, भोपाल म.प्र. **3. श्रीमती मधु सिंह सोलंकी पत्नी श्री महेंद्र सिंह** (जमानतदार एवं बंधककर्ता), पता- निवासी- मकान नं. ए-12, निरुपम एस्टेट, अहमदपुरा कलां, होशंगाबाद रोड भोपाल म.प्र. **4. श्री अनिल शर्मा** (जमानतदार), पता-एच नं. 3/19, रविशंकर नगर, बिट्टन मार्केट, भोपाल म.प्र.	संपत्ति का समस्त भू भाग फ्री होल्ड रिहायशी प्लाट नं. ए-12, भूमि खसरा नं. 50, हल्का संख्या 20, निरुपम एस्टेट अहमदपुर कलां, होशंगाबाद रोड वार्ड संख्या 54 (नया) (वार्ड संख्या 53 पुराना), तहसील हजूर भोपाल म.प्र. क्षेत्रफल- 102.75 वर्गमीटर। चतुर्सीमाएं: पूर्व- रोड, पश्चिम- प्लाट नं. ए-2, उत्तर- प्लाट नं.ए-13, दक्षिण- प्लाट नं. ए-11 पर मकान।	₹ 1,72,05,254/- +दिनांक 27.02.2026 से ब्याज एवं खर्चे 26.02.2026 NPA Date: 19.09.2018
इंडियन बैंक, जहांगीराबाद शाखा, भोपाल		
मेसर्स वेतना एंटरटेनमेंट प्रा. लिमिटेड (ऋणी) पताः- ए-11, नुरुपम एस्टेट, होशंगाबाद रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल कार्यस्थल का पताः एस-12 सिटी सेंटर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन -1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) **2. श्री शैलेन्द्र सिंह सोलंकी पुत्र श्री महेंद्र सिंह सोलंकी** (डायरेक्टर/जमानतदार/ बंधककर्ता), मकान नंबर ए-12, निरुपम एस्टेट, अहमदपुरा कलां, होशंगाबाद रोड भोपाल म.प्र. **3. श्री अनिल शर्मा पुत्र श्री दोलत राम शर्मा** (डायरेक्टर/जमानतदार) मकान नंबर 3/19, रविशंकर नगर, बिट्टन मार्केट, भोपाल म.प्र. **4. श्री मृत्युंजय द्विवेदी पुत्र श्री नरेन्द्र प्रसाद शर्मा** (डायरेक्टर/जमानतदार) मकान नं. 9, जानकी रेजीडेंसी, कोलार रोड, भोपाल **5. श्री मोहन सिंह नागर पुत्र स्व. श्री रतन सिंह** (डायरेक्टर/जमानतदार/ बंधककर्ता), वार्ड नं. 08, ग्राम हिरनिया, ओबेदुल्लागंज अमोदा, जिला- रायसेन-464993 **6. श्री नन्नू सिंह नगर, पुत्र गणपत सिंह नगर** (जमानतदार/बंधककर्ता), वार्ड नं.- 08, ग्राम हिरनिया, ओबेदुल्लागंज अमोदा, जिला रायसेन (म.प्र.)-464993	**फ्रीहोल्ड प्लाट नं. ए-11, स्थित ग्राम-अकबरपुर, निरुपम एस्टेट, होशंगाबाद रोड, जिला भोपाल क्षेत्रफल-102 वर्गमीटर** चतुर्सीमाएं: पूर्वः कॉलोनी रोड, पश्चिमः प्लॉट संख्या ए-01, उत्तरः प्लॉट नं. ए-12, दक्षिणः कॉलोनी रोड **(2) फ्री होल्ड खसरा संख्या 59, ग्राम तिगरिया, तहसील गोहरगंज, जिला रायसेन, क्षेत्रफल- 0.510 हेक्टेयर** चतुर्सीमाएं: पूर्वः श्री राम किशोर की भूमि, पश्चिमः नाथू राम की भूमि, उत्तरः गुलाब सिंह की भूमि, दक्षिणः नान्हू, सिंह और थान रोड का भाग	₹ 4,25,17,767/- +दिनांक 27.02.2026 से ब्याज एवं खर्चे 26.02.2026 NPA Date: 01.01.2018

ध्यान दें: SARFAESI अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत पूर्व में जारी मांग नोटिस दिनांक 20.09.2019 और 14.10.2025 और अन्य परिणामी कार्यवाही को वापस लिया जाता है।

अतः आप सभी को सुझाव दिया जाता है कि (1) उक्त मांग सूचना पत्र/लिफाफा जो कि आपको डाक प्राधिकरण द्वारा भेजा गया था, उसकी पावती प्राप्त नहीं हुई/जो बिना तामील वापिस प्राप्त हो गई है। आप नोटिस की कॉपी बैंक से प्राप्त कर लें ताकि आपको सूचना की संपूर्ण जानकारी प्राप्त हो जाये एवं (2) मांग सूचना में दर्शाई गई बकाया राशि ब्याज एवं खर्च आदि सहित मांग सूचना की दिनांक के 60 दिनों के भीतर जमा करें ताकि सरफेसी अधिनियम के तहत अग्रिम कार्यवाही से बच सकें।

स्थान- भोपाल प्राधिकृत अधिकारी
दिनांक- 07/03/2026 इंडियन बैंक

बैंक ऑफ महाराष्ट्र Bank of Maharashtra
भारत सरकार का उपक्रम

जबलपुर अंचल कार्यालय राईट टाउन, जबलपुर फोन: 0761-2480065, 67, 68
प्रधान कार्यालय: लोकमंगल, 1501, शिवाजीनगर, पुणे - 5

ई- नीलामी द्वारा विक्रय हेतु आम सूचना

सरफेसी अधिनियम 2002 तथा सहपठित नियम 8(6) of 2002 के अंतर्गत की नीलामी के द्वारा बैंक ऑफ महाराष्ट्र में बंधक अचल संपत्ति के विक्रय की सूचना

इस आम सूचना के द्वारा बैंक के अनर्जक खातेदार, जमानतदार तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अचल संपत्तियाँ जो कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र में बंधक हैं तथा जिन का कब्जा (सांकेतिक/ प्रत्यक्ष) प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा सरफेसी अधिनियम 2002 के अंतर्गत लिया जा चुका है। यह संपत्तियाँ "जहाँ है जैसी है" "जैसा है जो है" "जहां भी है" तथा "दायित्व रहित" आधार अनर्जक खातों में ऋण की वसूली हेतु दिनांक 26.03.2026 को ई नीलामी द्वारा विक्रय की जाएंगी | अनर्जक खाते, खाताधारक, जमानतदार, बैंक पर बकाया धनराशि, ऑनलाइन नीलामी द्वारा विक्रय की जाने वाली संपत्ति का विवरण, प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी में किसी तरह का संपत्ति पर भार, संपत्ति पर कब्जे का प्रकार, विक्रय की धनराशि (RESERVE PRICE), नीलामी में भाग लेने हेतु जमा की जाने वाली धरोहर राशि (EMD AMOUNT) इत्यादि की जानकारी निम्नलिखित है-

ऋणी/जमानतदार का नाम एवं पता कानूनी उत्तराधिकारियों/सहभागियों	बकाया राशि जिसकी वसूली हेतु संपत्ति विक्रय की जा रही है	संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बोली वृद्धि की राशि
शाखा: ARB, Jabalpur 1. उधारकर्ता:- मै. नव भारत प्रेस (भोपाल) प्रा. लिमिटेड पता - 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, म.प्र. नगर जोन-1, भोपाल (म.प्र.) पिन. 462011 2. श्रीमती. बृज माहेश्वरी पत्नी श्री. प्रफुल्ल माहेश्वरी	Rs.18,04,26,202.73 + Interest @ BPLR+2% (@14%) per annum with quarterly/ Monthly rests with effect from 01.02.2007 & Other Charges etc thereon	मौजा शुभास नगर, एन.बी. 773 में प्लॉट संख्या 785 (पुराना नंबर 42) पर स्थित प्लॉट संख्या 118 से 124, क्षेत्रफल 14035 वर्ग फुट और उस पर निर्माण, डायवर्जन शीट संख्या 155-सी (महाताल), मोटर स्टैंड (पुराना) के पास, तीन पत्ती रोड, नेपियर टाउन, वार्ड संख्या 28 (शहर), स्वामी दयानंद सरस्वती मार्ग, जबलपुर (मध्य प्रदेश), पिन 482002	Rs.22,49,10,000/- / Rs.2,24,91,000/- / Rs.50000.00

3. श्री. सुमित माहेश्वरी पुत्र श्री. प्रफुल्ल माहेश्वरी, 4. श्री. संजीव माहेश्वरी पुत्र श्री. प्रफुल्ल माहेश्वरी, 5. श्री. संदीप माहेश्वरी पुत्र श्री. प्रफुल्ल माहेश्वरी सभी निवास स्थान - ई-3/22, अरेरा कॉलोनी भोपाल (म.प्र.) पिन 462016
6. श्री. प्रफुल्ल माहेश्वरी पुत्र श्री. श